माइनारिटी को प्रोत्साहन देती है । अगर कांग्रेस माइनारिटी को प्रोत्साहन देती है और कांग्रेस हिन्दुओं के खिलाफ है ऐसा कहा जाता है तो क्या यह प्रमाणित नहीं होता कि जब वह माइनारिटीज के खिलाफ बात करते हैं और वह सम्प्रदायवाद का समर्थन करते हैं ।

सभापति महोदय : आप का यही मतलब है न कि हिन्दुओं के भी उतने ही हुकुक होते हैं कांग्रेस में जितने मुसलमानों के । कांग्रेस सब की रखवाली करती हैं ।

श्री ग्र० प्र० शर्मा : मैं कह रहा था कि कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो तमाम जातियों के लोगों को , तमाम धर्मों के लोगों को एक साथ रखे हुए है और देश की अखंडता को कायम रख सकती है और इस देश में प्रजातन्त्र को भी कायम रख सकती है ।

श्री त्रिवेदी ने डिक्टेटरशिप की बात कही । उन्होंने कहा कि कांग्रेस जम्हूरियत को बरबाद कर रही है, डिमाक्रेसी को नष्ट कर रही है और इस देश के अन्दर डिक्टेटरशिप कायम करना चाहती है । मैं यह कहना चाहता हूं कि आप एक तरफ कांग्रेस के सदस्यों के काम करने के तरीके को देखिये और दूसरी तरफ आप उन को देखिये जो कि डिक्टेटरशिप की और रेजिमेंटिड सरकार का समर्थन करने वाले लोग हैं । जो कम्यूनिस्ट पार्टी के लोग हैं, जो जन संघ जैसी पार्टी के लोग हैं वह डिक्टेटरशिप की बातें करते हैं, इस लिये कि वह सिद्धान्ततः डिक्टेटरशिप में विश्वास करते हैं । उन्होंने अपने भाषण में कोई ऐसी बात नहीं कही जिस से वह प्रमाणित कर सकें कि कांग्रेस किस तरह से डिक्टेटरशिप की तरफ जा रही हैं । दूसरी तरफ मैं दावे से कह सकता हूं कि कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है इस देश में जो डिमाक्रेसी की रक्षा कर सकती है और गरीबों की रक्षा कर सकती है । मजदूरों के हकों की रक्षा कर सकती है । इस देश के लिये वह बुरा दिन होगा जब कि विरोधी दलों जैसी प्रतिक्रियावादी पार्टियों की जड़ मजबूत होगी । अगर उन की जड़ मजबूत होगी तो इस देश के लिए दुर्भाग्य की बात होगी । लेकिन मेरे जैसे आदमी इस बात की आशा रखते हैं कि वह दिन उन पार्टियों के जीवन में आने वाला नहीं है ।

इन शब्दों के साथ मैं कहना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव को मैं सिर्फ आगे आने वाले चुनाव के लिये प्रचार का साधन मानता हूं विरोधी पार्टियों की तरफ से और इसकी तरफ उपेक्षा की दृष्टि से देखता हूं । मैं आशा करता हूं कि कि सदन इस को अस्वीकार करेगा ।

सभापति महोदय : मैं अदब से प्रार्थना करूंगा सब सदस्यों से कि यह बड़ा महत्वपूर्ण सवाल हमारे सामने आया है । यह बहुत सीरियस बात है । इस को सब लोग मेहरबानी कर के सुनें और सुनने के बाद चाहे तो अपनी बात सुना सकते हैं । बार बार बीच में बोलना ठीक नहीं है । मैं प्रार्थना करूंगा सब सदस्यों से कि वह पहले दूसरों की बातों को सुनें और जब उन को सुनाना हो तब वह सुनायें ।

17.09 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FIFTIETH REPORT

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri Jaganatha Rao): I beg to present the Fiftieth Report of the Business Advisory Committee.